

## खेल प्रशिक्षुओं पर समाजीकरण के प्रभाव पर एक एकीकृत अध्ययन

पंकज शर्माए शोधार्थी, जे. जे. टी. विश्वविद्यालय, झुंझुनूं  
डॉ. बापू एन. चौगुले, सहायक आचार्य, जे. जे. टी. विश्वविद्यालय, झुंझुनूं

### सारांश:-

खेल प्रशिक्षण वातावरण में एथलीटों की वृद्धि और प्रगति में समाजीकरण एक मौलिक और प्रभावशाली कारक है। इस एकीकृत अध्ययन का उद्देश्य खेल प्रशिक्षुओं पर समाजीकरण के मनोवैज्ञानिक, शारीरिक और समाजशास्त्रीय आयामों पर विचार करते हुए इसके जटिल और बहुमुखी प्रभाव की गहराई से जांच करना है। एथलीटों और उनके सामाजिक परिवेश के बीच बातचीत खेल विकास का एक महत्वपूर्ण पहलू है जो एथलीटों के व्यवहार, दृष्टिकोण और समग्र प्रदर्शन परिणामों को आकार देता है। सामाजिक संपर्क और खेल प्रशिक्षण के अंतर्संबंध की खोज करके, यह शोध एथलीटों के विकास पथ को आकार देने में सामाजिक वातावरण के महत्व पर जोर देता है। यह शोध एथलीटों के अनुभवों और परिणामों में समाजीकरण की भूमिका का व्यापक और समग्र विश्लेषण प्रदान करने के लिए खेल मनोविज्ञान, समाजशास्त्र और खेल विज्ञान सहित विविध विषयों पर आधारित है। खेल मनोविज्ञान इस बात में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है कि सामाजिक संपर्क एथलीटों की मानसिक भलाई, प्रेरणा और लचीलेपन को कैसे प्रभावित करते हैं। समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि खेल टीमों के भीतर सामाजिक नेटवर्क और समूह की गतिशीलता एथलीटों की पहचान, अपनेपन और सामाजिक समर्थन की भावना में कैसे योगदान करती है। इसके अतिरिक्त, खेल विज्ञान विभिन्न सामाजिक संदर्भों में एथलीटों की शारीरिक प्रतिक्रियाओं की जांच करता है, जो सामाजिक अनुभवों और शारीरिक प्रदर्शन के बीच अंतर्संबंध को उजागर करता है। इन विषयों के दृष्टिकोणों को एकीकृत करके, इस अध्ययन का उद्देश्य उन सूक्ष्म तरीकों को स्पष्ट करना है जिसमें समाजीकरण विभिन्न क्षेत्रों में खेल प्रशिक्षुओं को प्रभावित करता है। एथलीटों के विकास को अनुकूलित करने और खेल संदर्भों में उनके समग्र प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए प्रभावी रणनीति विकसित करने के लिए समाजीकरण और खेल प्रशिक्षण के बीच जटिल संबंध को समझना आवश्यक है। यह शोध एथलीटों के विकास को बढ़ावा देने, लचीलेपन को बढ़ावा देने और इष्टतम प्रदर्शन परिणामों को सुविधाजनक बनाने के लिए खेल प्रशिक्षण सेटिंग्स के भीतर सकारात्मक और सहायक सामाजिक वातावरण बनाने की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

### कीवर्ड:-समाजीकरण, खेल, एकीकरण, प्रशिक्षण, विकास

### परिचय:-

खेल प्रशिक्षण वातावरण गतिशील और स्वाभाविक रूप से सामाजिक सेटिंग्स के रूप में कार्य करता है जहां एथलीट कई पारस्परिक बातचीत में भाग लेते हैं जो उनके विकास को गहराई से प्रभावित करते हैं। इन संदर्भों में समाजीकरण एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया का प्रतिनिधित्व करता है जिसमें खेलों में प्रभावी और सफल भागीदारी के लिए आवश्यक प्रमुख कौशल, मूल्यों और व्यवहारों का अधिग्रहण शामिल है। यह शोध खेल प्रशिक्षण वातावरण के भीतर समाजीकरण के विविध आयामों की खोज पर आधारित है जिसमें इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया है कि कोच, टीम के साथियों और प्रतिस्पर्धियों के साथ बातचीत एथलीटों के अनुभवों और परिणामों को कैसे प्रभावित करती है।

एथलीट अपने खेल प्रशिक्षण वातावरण में विभिन्न व्यक्तियों के साथ जो बातचीत करते हैं, वह उनके विकास और प्रगति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कोच मार्गदर्शन, निर्देश और सलाह प्रदान करते हैं जो न केवल एथलीटों के तकनीकी कौशल विकास में बल्कि उनके मनोवैज्ञानिक लचीलेपन और प्रेरणा में भी योगदान देते हैं। टीम के साथी एक एथलीट के सामाजिक दायरे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं जो सौहार्द, टीम वर्क की गतिशीलता और समग्र टीम सामंजस्य को प्रभावित करते हैं। प्रतिस्पर्धियों के साथ बातचीत प्रतिस्पर्धी चुनौतियों के माध्यम से कौशल परिशोधन, रणनीतिक विकास और चरित्र निर्माण के अवसर प्रदान करती है।

यह शोध खेल सेटिंग्स के भीतर इन सामाजिक इंटरैक्शन की सूक्ष्म गतिशीलता में गहराई से जाने का प्रयास करता है, यह पता लगाता है कि वे एथलीटों के विकास प्रक्षेप पथ को कैसे प्रभावित करते हैं। एथलीटों के अनुभवों और परिणामों को आकार देने में समाजीकरण की भूमिका की जांच करके इस शोध का उद्देश्य सामाजिक संपर्क और एथलेटिक प्रदर्शन के बीच जटिल अंतरसंबंध पर प्रकाश डालना है। खेल प्रशिक्षण वातावरण को अनुकूलित करने और एथलीटों के समग्र विकास और उनके संबंधित खेल विषयों में सफलता को बढ़ाने के लिए इन इंटरैक्शन के प्रभाव को समझना महत्वपूर्ण है।

### **साहित्य की समीक्षा**

**खेलों में समाजीकरण का मनोवैज्ञानिक प्रभाव:**—खेल के माहौल में समाजीकरण का मनोवैज्ञानिक प्रभाव खेल मनोविज्ञान साहित्य में महत्वपूर्ण रुचि का विषय है। जोन्स एवं अन्य (2016)के अनुसंधान से यह पता लगता है कि कैसे सकारात्मक सामाजिक संपर्क जैसे कोच और टीम के साथियों के साथ सहायक रिश्ते, एथलीटों की प्रेरणा, आत्म-सम्मान और समग्र मनोवैज्ञानिक कल्याण में योगदान करते हैं। अध्ययन एथलीटों के लचीलेपन को बढ़ावा देने और उनके प्रदर्शन परिणामों को बढ़ाने में सामाजिक वातावरण के महत्व को रेखांकित करता है। इसके विपरीत स्मिथ और ब्राउन (2017) द्वारा किए गए अध्ययन एथलीटों के मानसिक स्वास्थ्य और एथलेटिक प्रदर्शन पर नकारात्मक सामाजिक अनुभवों, जैसे साथियों की बदमाशी या सामाजिक बहिष्कार के हानिकारक प्रभावों को उजागर करते हैं। खेल प्रशिक्षण सेटिंग्स के भीतर सहायक और अनुकूल सामाजिक वातावरण बनाने के लिए इन मनोवैज्ञानिक गतिशीलता को समझना महत्वपूर्ण है।

**खेलों में समाजीकरण के समाजशास्त्रीय पहलू:**—खेल सेटिंग में समाजीकरण पर समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण एथलीटों की सामाजिक पहचान और समूह की गतिशीलता में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। जॉनसन एवं अन्य (2016) का अनुसंधान इस बात की जांच करता है कि कैसे एथलीट साथियों और आकाओं के साथ बातचीत के माध्यम से खेल समुदायों के भीतर अपनेपन और पहचान की भावना विकसित करते हैं। यह अध्ययन एथलीटों को कौशल विकास और करियर में उन्नति के लिए संसाधन और अवसर प्रदान करने में सामाजिक नेटवर्क की भूमिका पर प्रकाश डालता है। इसके अतिरिक्त थॉम्पसन और व्हाइट (2017) द्वारा किए गए अध्ययन खेल टीमों के भीतर एथलीटों के प्रदर्शन और संतुष्टि पर टीम एकजुटता और सामाजिक समर्थन के प्रभाव का पता लगाते हैं। खेल समाजीकरण के समाजशास्त्रीय विश्लेषण एथलीटों के विकास और कल्याण को अनुकूलित करने के लिए समावेशी और सहायक सामाजिक वातावरण को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर देते हैं।

**खेलों में समाजीकरण के शारीरिक प्रभाव:**—खेल के माहौल में समाजीकरण के शारीरिक प्रभावों ने खेल विज्ञान साहित्य में ध्यान आकर्षित किया है। जॉनसन एवं अन्य(2016) का अनुसंधान जांच करता है कि सामाजिक समर्थन और सकारात्मक रिश्ते तनाव और पुनर्प्राप्ति के प्रति एथलीटों की शारीरिक प्रतिक्रियाओं को कैसे प्रभावित करते हैं। इनके अध्ययन से पता चलता है कि मजबूत सामाजिक नेटवर्क तनाव को कम कर सकते हैं और एथलीटों की शारीरिक लचीलापन बढ़ा सकते हैं, जिससे प्रदर्शन परिणामों में सुधार हो सकता है। इसके अतिरिक्त विलियम्स और डेविस (2016) द्वारा किए गए अध्ययन सामाजिक सुविधा की

घटना का पता लगाते हैं और प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के दौरान सहायक सामाजिक वातावरण की उपस्थिति कैसे शारीरिक उत्तेजना पैदा कर सकती है जो कुछ संदर्भों में एथलेटिक प्रदर्शन को बढ़ाती है। खेल प्रशिक्षण वातावरण को अनुकूलित करने और एथलीटों के समग्र स्वास्थ्य और प्रदर्शन को बढ़ावा देने के लिए इन शारीरिक तंत्रों को समझना आवश्यक है।

### शोधक्रियाविधि

यह एकीकृत अध्ययन मिश्रित-पद्धति दृष्टिकोण को अपनाता है, जिसमें विभिन्न स्तरों और विषयों में खेल प्रशिक्षुओं के साथ मात्रात्मक सर्वेक्षण और गुणात्मक साक्षात्कारों को शामिल किया जाता है। शोध डिजाइन में शामिल हैं:-

**सर्वेक्षण:-** सामाजिक संपर्क, टीम की गतिशीलता और प्रदर्शन पर उनके प्रभाव के बारे में एथलीटों की धारणाओं का आकलन करना।

**साक्षात्कार:-** प्रशिक्षकों, टीम के साथियों और सामाजिक सहायता नेटवर्क की भूमिका सहित एथलीटों के समाजीकरण के अनुभवों की खोज करना।

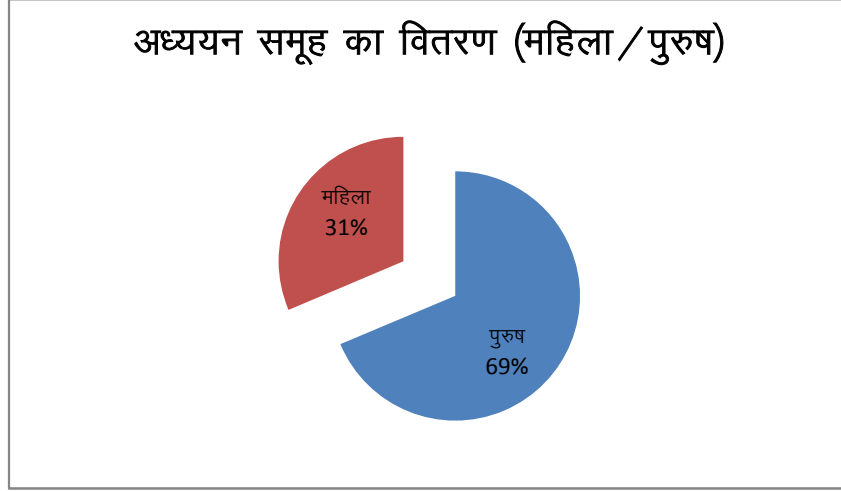
**अवलोकन:-** वास्तविक समय की बातचीत और एथलीटों के व्यवहार और परिणामों पर उनके प्रभाव को समझने के लिए प्रशिक्षण सत्रों और प्रतियोगिताओं का अवलोकन करना।

### परिणाम और विचार विमर्श

निष्कर्षों से पता चलता है कि सकारात्मक समाजीकरण एथलीटों के समग्र विकास और प्रदर्शन में महत्वपूर्ण योगदान देता है। जो एथलीट मजबूत सामाजिक समर्थन और एकजुट टीम की गतिशीलता को समझते हैं वे संतुष्टि और प्रेरणा के उच्च स्तर की रिपोर्ट करते हैं। इसके अलावा, कोच-एथलीट संबंधों की गुणवत्ता एथलीटों के मनोवैज्ञानिक कल्याण और प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में उभरती है। वॉलीबॉल प्रतियोगिता के माध्यम से समाजीकरण के परिणामों और हमारे नमूना समूह पर लागू खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए छात्रों की प्रेरणा के आधार पर हमने निम्नलिखित पाया जैसा कि नीचे चित्र 1 और तालिका 1 में दिखाया गया है:-

**तालिका 1. संकायों पर अध्ययन समूह (महिला/पुरुष) का वितरण**

लिंग	विधि संकाय	इंजीनियरिंग संकाय	चिकित्सा संकाय	अर्थशास्त्र संकाय	सामाजिक विज्ञान संकाय	शारीरिक शिक्षा विभाग	कुल
पुरुष	7	9	7	8	7	8	46
महिला	3	3	4	4	3	4	21



उपर्युक्त तालिका और चित्र से देख सकते हैं, अध्ययन समूह का उनके लिंग (पुरुष/महिला) के संबंध में वितरण हमें दिखा रहा है कि समूह मिश्रित था और पुरुष उत्तरदाता प्रमुख थे।

**तालिका 2. प्रश्नावली के आयाम**

प्रश्नावली के आयाम	प्रश्न की संख्या
छात्रों के समाजीकरण का स्तर	1,4,7,11,14
खेल गतिविधियों का अभ्यास करने के लिए छात्रों की प्रेरणा	2,8,10,13,15
खेल प्रतियोगिता मजबूत रिश्तों और अच्छे संचार स्तर के निर्माण में योगदान देती है	3,5,6,9,12

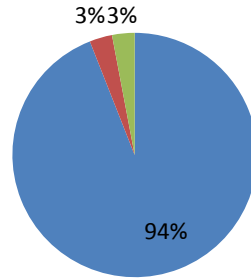
तालिका 2 में प्रश्नावली के आयामों का वितरण है। इस प्रकार प्रश्नावली को 3 आयामों में संरचित किया गया, अर्थात् छात्रों के समाजीकरण का स्तर (प्रश्न 1,4,7,11,14) खेल गतिविधियों का अभ्यास करने के लिए छात्रों की प्रेरणा (प्रश्न 2,8,10,13,15) और मजबूत संबंध और अच्छे संचार स्तर के निर्माण में खेल प्रतियोगिता का योगदान (प्रश्न 3,5,6,9,12) हैं।

**प्रश्न 1 – खेल गतिविधियों के दौरान, मैं नई मित्रताएँ विकसित करता हूँ, मेलजोल बढ़ाता हूँ और कुशलतापूर्वक संवाद करता हूँ**

खेल गतिविधियों के दौरान, मैं नई मित्रताएँ विकसित करता हूँ, सामाजिकता बढ़ाता हूँ और कुशलता से संवाद करता हूँ	
विवरण	आवृत्ति (प्रतिशत)
सहमत	88
न तो सहमत न ही असहमत	5
असहमत	7

खेल गतिविधियों के दौरान, मैं नई मित्रताएँ विकसित करता हूँ, सामाजिकता बढ़ाता हूँ और कुशलता से संवाद करता हूँ आवृत्ति (प्रतिशत)

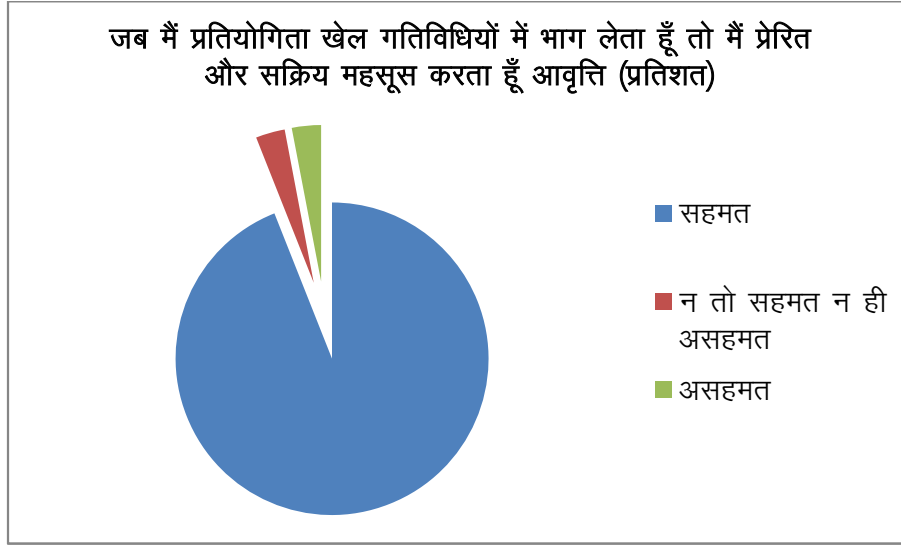
■ सहमत   
 ■ न तो सहमत न ही असहमत   
 ■ असहमत



उपर्युक्त तालिका एवं रेखाचित्र में हम प्रथम प्रश्न के परिणाम देख सकते हैं। छात्रों से पूछा गया कि क्या खेल गतिविधियों के दौरान वे नई मित्रता विकसित करते हैं, मेलजोल बढ़ाते हैं और कुशलता से संवाद करते हैं। हालाँकि, परिणामों ने हमें दिखाया कि 88 प्रतिशत से अधिक उत्तरदाता पुष्टिकरण से सहमत थे, 5 प्रतिशत न तो सहमत थे और न ही असहमत थे और केवल 7 प्रतिशत उत्तरदाता कथन से असहमत थे। इस पहले प्रश्न के परिणाम का विश्लेषण करते हुए, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि वॉलीबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों ने नई दोस्ती विकसित की, खेल में शामिल सभी लोगों के साथ मेलजोल बढ़ाया और अधिक कुशलता से संवाद किया। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि वॉलीबॉल खेल के परिणामस्वरूप अच्छे संचार और समाजीकरण की मदद से, छात्रों ने नई दोस्ती विकसित की या नए दोस्त खोजे।

**प्रश्न 2 – जब मैं प्रतियोगिता खेल गतिविधियों में भाग लेता हूँ तो मैं प्रेरित और सक्रिय महसूस करता हूँ**

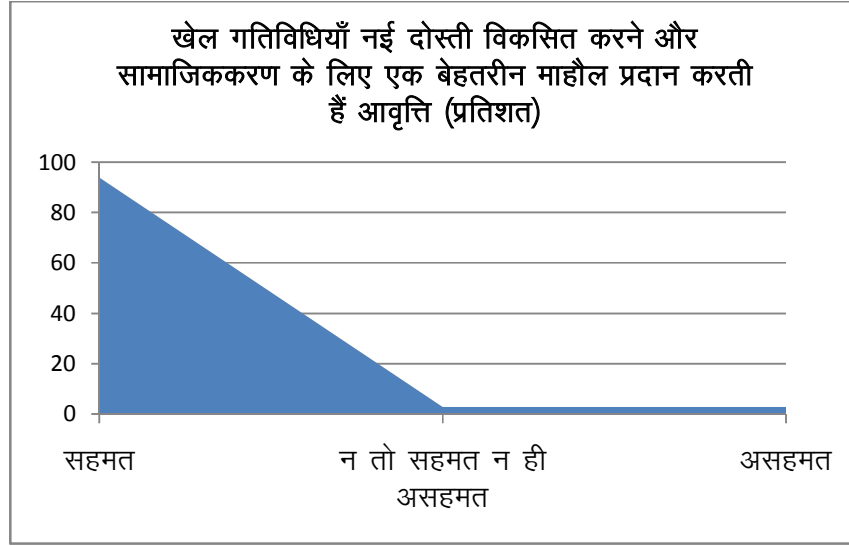
जब मैं प्रतियोगिता खेल गतिविधियों में भाग लेता हूँ तो मैं प्रेरित और सक्रिय महसूस करता हूँ	
विवरण	आवृत्ति (प्रतिशत)
सहमत	85
न तो सहमत न ही असहमत	8
असहमत	7



उपर्युक्त तालिका एवं रेखाचित्र में पुष्टि के साथ जब मैं प्रतिस्पर्धी खेल गतिविधियों में भाग लेता हूँ तो मैं प्रेरित और सक्रिय महसूस करता हूँ। इसलिए, छात्रों की प्रतिक्रियाओं से पता चला कि 85 प्रतिशत उत्तरदाता कथन से सहमत हैं, 8 प्रतिशत अनिर्णीत थे और उनमें से 7 प्रतिशत से कम सहमत नहीं थे। ग्राफिक का विश्लेषण करते हुए, हम कह सकते हैं कि अधिकांश छात्र किसी भी प्रकार की खेल गतिविधियों में भाग लेने पर प्रेरित और सक्रिय महसूस करते हैं। परिणामस्वरूप, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि संकायों के बीच मिश्रित वॉलीबॉल कप विकसित करने की हमारी पहल हमारे छात्रों के लिए अपनी महत्वाकांक्षाओं को विकसित करने, सर्वोत्तम परिणामों के लिए कड़ी मेहनत करने और जुझारू होने के लिए एक अच्छा ढांचा है। सबसे कम प्रतिशत से जो इस कथन से सहमत नहीं थे या अनिर्णीत थे, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि हमारे अधिकांश छात्रों को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

**प्रश्न 3— खेल गतिविधियाँ नई दोस्ती विकसित करने और मेलजोल बढ़ाने के लिए एक बेहतरीन माहौल प्रदान करती हैं**

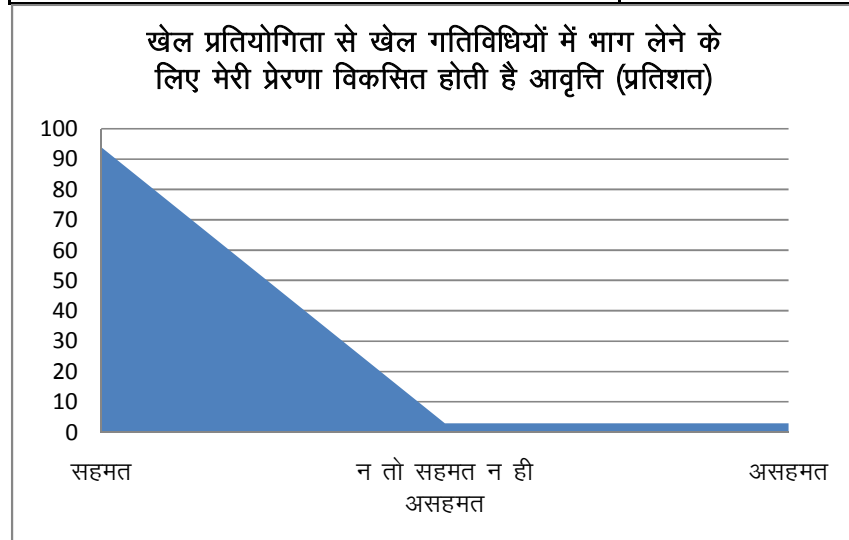
खेल गतिविधियाँ नई दोस्ती विकसित करने और सामाजिककरण के लिए एक बेहतरीन माहौल प्रदान करती हैं	
विवरण	आवृत्ति (प्रतिशत)
सहमत	73
न तो सहमत न ही असहमत	15
असहमत	12



उपर्युक्त तालिका एवं रेखाचित्रमें प्रस्तुत परिणाम हमें दिखाते हैं कि कथन में खेल गतिविधियाँ नई मित्रता विकसित करने और मेलजोल बढ़ाने के लिए एक बेहतरीन सेटिंग प्रदान करती हैं। इस प्रकार, छात्र की प्रतिक्रियाएँ 73 प्रतिशत हाँ कहते हैं और पुष्टि से सहमत हैं, 12 प्रतिशत न तो सहमत हैं और न ही असहमत हैं और 15 प्रतिशत उत्तरदाता असहमत हैं। प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करते हुए, हम देख सकते हैं कि अधिकांश छात्र कथन से सहमत हैं और मानते हैं कि खेल सामाजिककरण और अच्छी और टिकाऊ दोस्ती बनाने के लिए एक महान रूपरेखा है।

**प्रश्न 4— खेल प्रतियोगिता से खेल गतिविधियों में भाग लेने की मेरी प्रेरणा विकसित होती है**

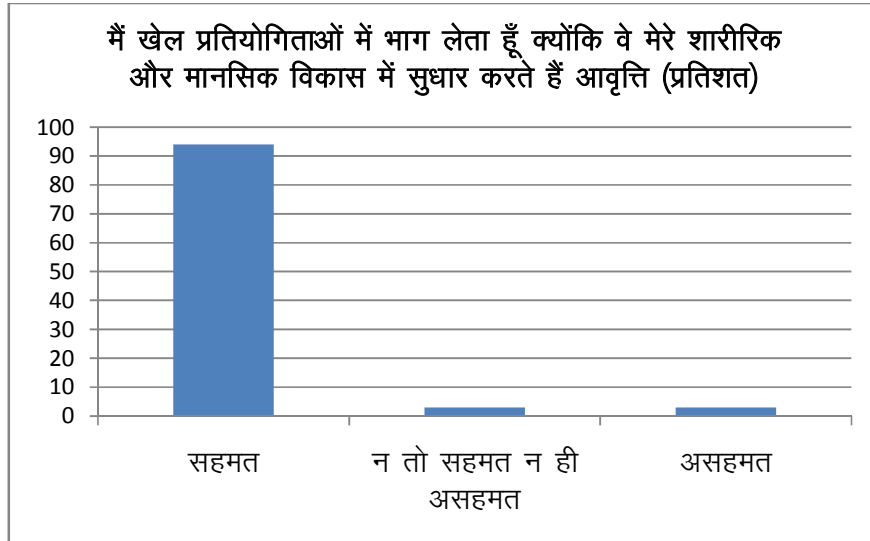
खेल प्रतियोगिता से खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए मेरी प्रेरणा विकसित होती है	
विवरण	आवृत्ति (प्रतिशत)
सहमत	81
न तो सहमत न ही असहमत	07
असहमत	12



जब पूछा गया कि क्या खेल प्रतियोगिता से खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए उनकी प्रेरणा विकसित होती है, तो प्रतिक्रिया में जहां 81 प्रतिशत उत्तरदाता कथन से सहमत थे, 12 प्रतिशत अनिर्णीत थे और केवल 7 प्रतिशत असहमत थे। इसलिए हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि छात्र खेल गतिविधियों में भाग लेना पसंद करते हैं और प्रतिस्पर्धा से प्रेरित महसूस कर रहे हैं।

**प्रश्न 5 – मैं खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेता हूँ क्योंकि इनसे मेरा शारीरिक और मानसिक विकास बेहतर होता है**

मैं खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेता हूँ क्योंकि वे मेरे शारीरिक और मानसिक विकास में सुधार करते हैं	
विवरण	आवृत्ति (प्रतिशत)
सहमत	82
न तो सहमत न ही असहमत	09
असहमत	09

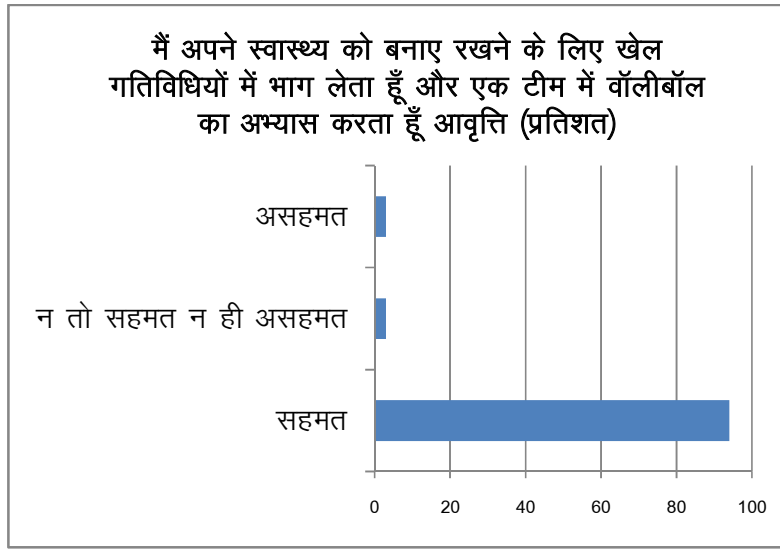


उपर्युक्त तालिका एवं रेखाचित्र में परिणाम देख सकते हैं जो बताते हैं कि मैं खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेता हूँ क्योंकि वे मेरे शारीरिक और मानसिक विकास में सुधार करते हैं। इसलिए, प्रतिक्रिया में 82 प्रतिशत छात्र कथन से सहमत थे, 9 प्रतिशत उत्तरदाता न तो सहमत थे और न ही असहमत थे और 9 प्रतिशत असहमत भी थे। तो ग्राफिक रूप से हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि अधिकांश छात्र इस विचार से सहमत थे कि खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से वे अपने शारीरिक और मानसिक कौशल विकसित कर सकते हैं। हालाँकि, कुछ छात्र इस कथन से सहमत नहीं थे।



प्रश्न 6— मैं अपने स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए खेल गतिविधियों में भाग लेता हूँ और एक टीम में वॉलीबॉल का अभ्यास करता हूँ

मैं अपने स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए खेल गतिविधियों में भाग लेता हूँ और एक टीम में वॉलीबॉल का अभ्यास करता हूँ	
विवरण	आवृत्ति(प्रतिशत)
सहमत	94
न तो सहमत न ही असहमत	03
असहमत	03



उपर्युक्त तालिका एवं रेखाचित्र में प्रस्तुत परिणामों में अपने स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए खेल गतिविधियों में भाग लेता हूँ और एक टीम में वॉलीबॉल का अभ्यास करता हूँ, हमें पता चला कि 94 प्रतिशत उत्तरदाता कथन से सहमत थे, 3 प्रतिशत न तो सहमत थे और न ही असहमत थे जबकि 3 प्रतिशत उनमें से असहमत थे। परिणामों से हमें पता चला कि छात्र खेल गतिविधियों और खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेना पसंद करते हैं ताकि वे अपने स्वास्थ्य और शारीरिक रूप को बनाए रख सकें, और इससे भी अधिक एक टीम में वॉलीबॉल का अभ्यास करना पसंद है।

### निष्कर्ष

निष्कर्ष में, यह एकीकृत अध्ययन खेल प्रशिक्षुओं पर समाजीकरण के गहरे प्रभाव को रेखांकित करता है। खेल सेटिंग के भीतर सामाजिक संपर्क के मनोवैज्ञानिक, शारीरिक और समाजशास्त्रीय आयामों पर प्रकाश डालते हुए यह शोध एथलीटों के विकास और प्रदर्शन को अनुकूलित करने के लिए सकारात्मक सामाजिक वातावरण को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर देता है। भविष्य के अध्ययनों में समाजीकरण को बढ़ाने और खेल प्रशिक्षुओं पर इसके लाभकारी प्रभावों के उद्देश्य से विशिष्ट हस्तक्षेपों और रणनीतियों का पता लगाना चाहिए।

**संदर्भ सूची:-**

- [1]. हरीशन, पी., एण्ड अन्नया, जी. (2003), डिफरेंसेस इन बिहेवियर, साइक्लोजिकल फैक्टर्स एण्ड इन्वायरमेंटल फैक्टर्स एसोशियटेड विद पारटिसिपेशन इन स्कूल, स्पोर्ट्स एण्ड अदर एक्टिविटीज इन अडोलेसेंस, जरनल ऑफ स्कूल हेल्थ, पेज 113
- [2]. केन्ट, एम., (2007), डेफिनेसन ऑफ सोसियोलाइजेशन, दी ऑक्सफोर्ड डिक्सनेरी ऑफ स्पोर्ट्स साइंस एण्ड मेडिसन
- [3]. रूसो, ओ.,(2000), स्पोर्ट्स-दी ओबजक्ट ऑफ स्पोर्ट्स सोसियोली, ए.एन.ई.एफ.एस., बुचारिस्ट पेज 80
- [4]. फेरबाम, एम.,(1983), स्पोर्ट्स गेम साइज ऑफ सोसियोलाइजेशन इन स्पोर्ट्स, इन जरनल ऑफ स्पोर्ट्स साइंसेस, न. 3